अध्याय - 4 | चुम्बकों को जानें

QUIZ PART-03

1. स्वतंत्र रूप से लटका हुआ छड़ चुंबक किस दिशा में स्थिर होता है?

A. पूर्व-पश्चिम
B. उत्तर-दक्षिण
C. ऊपर-नीचे
D. किसी भी दिशा में (B)

व्याख्या : स्वतंत्र रूप से लटका हुआ चुंबक हमेशा उत्तर-दक्षिण दिशा में ठहरता है।

2. जो सिरा उत्तर दिशा की ओर संकेत करता है, वह कौन-सा ध्रुव कहलाता है?

A. दक्षिणी ध्रुव
B. पश्चिमी ध्रुव
C. उत्तरी ध्रुव
D. मध्य ध्रुव (C)

व्याख्या : चुंबक का जो सिरा उत्तर दिशा की ओर ठहरता है, उसे उत्तरी ध्रुव कहते हैं।

3. जो सिरा दक्षिण दिशा की ओर संकेत करता है, वह कौन-सा ध्रुव कहलाता है?

A. उत्तरी ध्रुव
B. दक्षिणी ध्रुव
C. पूर्वी ध्रुव
D. पश्चिमी ध्रुव (B)

व्याख्या : चुंबक का जो सिरा दक्षिण दिशा की ओर संकेत करता है, वह दक्षिणी ध्रुव होता है।

4. पृथ्वी किसकी तरह व्यवहार करती है?

A. विशाल चुंबक
B. लकड़ी के टुकड़े
C. काँच के गोले
D. प्लास्टिक की वस्तु (A)

व्याख्या : पृथ्वी एक विशाल चुंबक की तरह व्यवहार करती है, इसलिए चुंबक उत्तर-दक्षिण दिशा में संरेखित होता है।

5. लोहे की साधारण छड़ स्वतंत्र रूप से लटकाने पर क्या करती है?

A. हमेशा उत्तर-दक्षिण दिशा में ठहरती है
B. चुंबक बन जाती है
C. उत्तर-दक्षिण दिशा में निश्चित रूप से नहीं ठहरती
D. हमेशा पूर्व-पश्चिम में रहती है (C)

व्याख्या : केवल चुंबक ही उत्तर-दक्षिण दिशा में संरेखित होता है।

6. चुंबकीय दिक्सूचक में क्या होता है?

A. लकड़ी की सुई
B. चुंबकीय सुई
C. कागज़ की सुई
D. काँच की सुई (B)

व्याख्या : कंपास में चुंबकीय सुई होती है, जो स्वतंत्र रूप से घूम सकती है।

7. कंपास की सुई किस दिशा में स्थिर होती है?

A. उत्तर-दक्षिण
B. पूर्व-पश्चिम
C. ऊपर-नीचे
D. गोल-गोल (A)

व्याख्या : कंपास की चुंबकीय सुई उत्तर-दक्षिण दिशा में आकर स्थिर होती है।

8. सुई को चुंबकित करने के लिए चुंबक को सुई पर कैसे रगड़ना चाहिए?

A. दोनों दिशाओं में बार-बार
B. केवल एक ही दिशा में
C. गोल घुमाकर
D. बिना छुए (B)

व्याख्या : सुई को चुंबकित करने के लिए चुंबक को सुई की लंबाई के साथ एक ही दिशा में रगड़ा जाता है।

9. चुंबकित सुई और कॉर्क से क्या बनाया जा सकता है?

A. सरल कंपास
B. बैटरी
C. बल्ब
D. थर्मामीटर (A)

व्याख्या : चुंबकित सुई को कॉर्क में लगाकर पानी में तैराने से वह उत्तर-दक्षिण दिशा बताती है।

10. मत्स्य-यंत्र किसके समान था?

A. घड़ी
B. चुंबकीय कंपास
C. तराजू
D. दूरबीन (B)

व्याख्या : मत्स्य-यंत्र भारतीय नाविकों द्वारा दिशा-निर्देशन के लिए उपयोग किया जाने वाला चुंबकीय उपकरण था।